आईसीएआर-सिफ़ेट लुधियाना द्वारा "प्रोटीन-समृद्ध: अनाज और बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पाद" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

20 अक्टूबर, **2023** आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लु धयाना ने भारत सरकार की एस सी एस पी उपयोजना के तहत **18** से **20** अक्टूबर, **2023** तक "प्रोटीन-समृद्धः अनाज और बाजरा आधारित मूल्य व र्धत उत्पाद" पर तीन दिवसीय प्र शक्षण कार्यक्रम का आयोजन कया। । कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसू चत जाति के गरीब परिवारों को मजबूत करना और मूल्यव र्धत खाद्य उत्पादों पर वशेष जोर देने के साथ अनाज और बाजरा प्रसंस्करण के क्षेत्र में गति व धयां शुरू करने के लए उनका पोषण करना था। कार्यक्रम में पंजाब के बरनाला जिले के सेहना ब्लॉक के गांव सेखा, कोट धुना, मौरनाभा, ढिलवां, भक्तगढ़, टल्लेवाल, भोतना, उग्गोके गांव से अनुसू चत जाति की पचास महिला प्रतिभा गयों ने भाग लया। प्र शक्षण कार्यक्रम का समन्वय सुश्री सूर्या वैज्ञानिक, डॉ. मंजू बाला, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. स्वाति सेठी, वैज्ञानिक, एफजी एंड ओपी डवीजन, आईसीएआर- सफ़ेट लु धयाना द्वारा कया गया था। कौशल वकास कार्यक्रम में बाजरा और अनाज की पसाई, पास्ता बनाने, बाजरा से बेकरी उत्पाद (फंगर बाजरा से बिस्कुट और म फन), मोती बाजरा जैसे मोटे अनाज से निकाले गए और पॉप कए गए उत्पादों जैसे खाद्य अनाज के प्रसंस्करण पर व्यावहारिक प्र शक्षण प्रदान कया गया। प्र शक्षण कार्यक्रम के दौरान वशेषज्ञों ने व भन्न सरकारी योजनाओं और वपणन रणनीतियों पर व्याख्यान दिए। आईसीएआर-सीफेट के प्रभारी निदेशक डॉ. आर. के वश्वकर्मा ने प्रसंस्करण क्षेत्र बाजरा प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में प्रसंस्करण शुरू करने के लए प्रेरित कया।

एफजी एंड ओपी डवीजन की प्रमुख डॉ. मंजू बाला ने प्रतिभा गयों को एफपीओ/समूह बनाने के लए प्रेरित कया और इस वषय पर एक प्र शक्षण मैनुअल भी जारी कया गया और प्रतिभा गयों को ज्ञान साझा करने के लए वतरित कया गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत टीम लु धयाना से श्री मनप्रीत संह और सुश्री साक्षी ने इस **3** दिवसीय प्र शक्षण में प्रतिभा गयों की भागीदारी को सु वधाजनक बनाने में सहायता प्रदान की।

अनुसूचित जाति उप-योजना (एस.सी.एस.पी) के अंतर्गत
तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
अनाज एवं श्री अन्न आधारित प्रोटीन समृद्ध मूल्यवर्धित उत्पाद
18-20 अक्टूबर, 2023
ICAR
ICAR-CIPHET